उत्तर प्रदेश, मणिपुर, पंजाब, गोवा और उत्तराखंड राज्य बजट का विश्लेषण

संक्षिप्त विवरण

- उत्तर प्रदेश का वित्तीय घाटा इन पांच राज्यों में सर्वाधिक रहा, जो 2008–09 में सबसे अधिक 20,513 करोड था। उसके बाद पंजाब का स्थान है जिसे 2008–09 में 6690 करोड का वित्तीय घाटा हुआ।
- मणिपुर का वित्तीय घाटा तीन गुना बढकर 2008–09 के 217 से बढकर 2009–10 में 733 करोड हो गया।
- पंजाब अकेला राज्य है जिसका 2005–10 के दौरान कुल राजस्व घाटा 13580 करोड रहा, अन्य चार राज्यों ने 2005–10 के बीच राजस्व अधिशेष दिखने का प्रबंध कर लिया।
- गोवा सरकार को 2008–09 और 2009–10 में आवश्यक शर्तें पूरा नहीं होने से केन्द्र सरकार से कोई ऋण–मुक्ति नहीं मिली क्योंकि गोवा का वित्तीय घाटा इन वर्षो के लिए निर्धारित राज्य सकल घरेलू उत्पाद(जीएसडीपी) के 3.5 प्रतिशत और 4 प्रतिशत की सीमा से अधिक रहा। उदाहरण के लिए, वर्ष 2009–10 में वित्तीय घाटा जीएसडीपी का 5.49 प्रतिशत रहा जो निर्धारित सीमा से अधिक था।
- उत्तराखंड में वर्ष 2005–2010 के दौरान प्रत्येक वर्ष राजस्व घाटा और वित्तीय घाटा के बजट पूर्वानुमानों को प्राप्त नहीं किया जा सका। उत्तराखंड में शिक्षा, ग्रामीण विकास और सिंचाई के क्षेत्र में निम्नतर अदायगी की वजह से पूंजीगत व्यय की 16 प्रतिशत का उपयोग नहीं हो सका।
- अधिकतर राज्यों में राज्य सरकारों के राजस्व व्यय का उल्लेखनीय हिस्सा वेतन, पेंशन और ब्याज की अदायगी में हुआ। उत्तराखंड में इस मद में वर्ष 2009–10 में सर्वाधिक 72 प्रतिशत राजस्व व्यय और पंजाब में 75 प्रतिशत राजस्व व्यय का हुआ।
- पंजाब में 2009–10 में वेतन पर राजस्व व्यय का 43 प्रतिशत खर्च हुआ जो बारहवें वित्त आयोग द्वारा निर्धारित 35 प्रतिशत के मानक से अधिक था।
- इन पांच राज्यों में मणिपुर केन्द्रीय कोष पर सबसे अधिक निर्भर रहा, जो वर्ष 2005–10 के दौरान भारत सरकार से मिले राजस्व कोष पर 90 प्रतिशत निर्भर रहा।

विषय सूची:

1.पांच राज्यों में बजट के उपयोग की तुलना 2
2.गोवा...5
3.मणिपुर 2
4.पंजाब 2
5.उत्तरप्रदेश...2
6.उत्तराखंड..2

पांच राज्यों के बजट उपयोग में तुलना

प्रस्तावना

जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं, उनमें सकल राज्य घरेलू उत्पाद के मामले में काफी भिन्नता है। मणिपुर में यह 6,767 करोड है तो उत्तरप्रदेश में 3,67,786 करोड। इसके अलावा, मणिपुर और उत्तराखंड विशेष दर्जा प्राप्त राज्य हैं जिसका अर्थ है कि उनकी कमजोर आर्थिक स्थिति को देखते हुए उन्हें केन्द्रीय योजनागत सहायता 90 प्रतिशत अनुदान और केवल 10 प्रतिशत ऋण के अनुपात में मिलती है, जबकि सामान्य वर्ग के राज्यों को यह सहायता 70 प्रतिशत अनुदान और 30 प्रतिशत ऋण के अनुपात में प्राप्त होती है।

सभी आंकडे करोड रु में	गोवा	मणिपुर	पंजाब	उत्तरप्रदेश	उत्तराखंड
सकल राज्य घरेलू उत्पाद	19,525	6,767	1,40,145	3,67,786	47,808

प्रमुख वित्तीय संकेतक

पांचों राज्यों के समस्त वित्तीय संकेतकों (वर्ष 2005–2010 के बीच के सभी वित्तीय संकेतक) को तालिका–1 में दिया गया है। उल्लेखनीय बातें निम्नलिखित हैं :–

- पंजाब अकेला राज्य है जो वर्ष 2005–2010 के दौरान लगातार कुल राजस्व घाटा में रहा, बाकी राज्यों ने राजस्व अधिशेष को दिखने का प्रबंध कर लिया।
- उत्तरप्रदेश मे इन सभी राज्यों में सर्वाधिक 72,693 करोड का कुल वित्तीय घाटा हुआ, जबकि मणिपुर को न्यूनतम वित्तीय घाटा हुआ।

तालिका : प्रमुख सकल वित्तीय संकेतक 2005–2010

सभी आंकडे करोड रु में	गोवा	मणिपुर	पंजाब	उत्तरप्रदेश	उत्तराखंड
राजस्व प्राप्तियां (A)	15,351	16,526	99,641	3,48,873	38,922
राजस्व व्यय (B)	15,090	12,347	1,11,789	3,32,882	38,301
राजस्व घाटा (–)/अधिशेष(+)(C= A-B)	261	4,179	-13,580	15,991	621
पूंजी खाता में प्राप्तियां (D)	3,178	1,587	30,911	76,757	7,852
पूंजीगत व्यय (E)	3,875	5,646	11,319	87,082	9,302
वित्तीय घाटा* (B+ E+ शुध्द ऋण और अग्रीम के योग – A – विभिन्न मदों में पूंजीगत प्राप्तियों)	-3,679	-1,594	-20,730	-72,693	-9,133

*इस कालखंड (2005–2010) में केन्द्र सरकार का सकल वित्तीय घाटा 11,71,394 करोड था।

राजस्व प्राप्तियां

इन पांच राज्यों के 2005–2011 के दौरान कुल राजस्व प्राप्तियों का विवरण तालिका–2 में दी गई है। उल्लेखनीय बातें निम्नलिखित हैं :–

- मणिपुर केन्द्रीय कोष पर सर्वाधिक निर्भर है जो 2005 से 2010 के बीच भारत सरकार के कोष पर 90 प्रतिशत निर्भर रहा, जबकि गोवा सबसे कम निर्भर है।
- उत्तरप्रदेश और उत्तरखंड केन्द्रीय कोषों पर समान मात्रा (50–60 प्रतिशत) में निर्भर हैं। हालांकि ध्यान रखने की जरूरत है कि उत्तराखंड अपनी कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण विशेष दर्जा प्राप्त राज्य है, इसलिए केन्द्रीय कोषों पर उसकी अधिक निर्भरता को आसानी से समझा जा सकता है।

तालिका : राजस्व प्राप्तियों का विवरण (2005–2010)

सभी आंकडे करोड रु में	गोवा	मणिपुर	पंजाब	उत्तरप्रदेश	उत्तराखंड
कुल राजस्व प्राप्ति (A)	**15,351**	**16,526**	**99,641**	**3,48,873**	**38,922**
राज्य की कर प्राप्तियां (B)	7,203	730	51,094	1,29,352	13,642
राज्य की करेतर प्राप्तियां (C)	5,689	916	28,953	35,647	3,296
केन्द्रीय करों में हिस्सा (D)	1,794	2,506	8,997	1,33,412	6,626
भारत सरकार का अनुदान (E)	665	12,374	10,571	50,463	15,358
केन्द्रीय स्रोतों से प्राप्त कुल रकम (F=D+E)	2,459	14,880	19,568	1,83,875	21,984
केन्द्रीय स्रोतों से राजस्व प्राप्ति का प्रतिशत (G=F+A %)	**16%**	**90%**	**20%**	**53%**	**56%**

वचनबद्ध व्यय

राज्यों के राजस्व व्यय में वचनबद्ध व्यय के प्रतिशत का आकंडा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है। नियंत्रक सह महालेखा परीक्षक ने वचनबद्ध व्यय की परिभाषा ब्याज की अदायगी, वेतन और भत्ते, पेंशन और आर्थिक सहायता पर हुए खर्च के रूप में की है। उल्लेखनीय बातें निम्नलिखित हैं :–

- पंजाब में कुल वचनबद्ध व्यय वर्ष 2005–2010 के दौरान सबसे अधिक 79 प्रतिशत राजस्व व्यय हुआ जबकि उत्तरप्रदेश का स्थान दूसरा है जिसके राजस्व व्यय का 59 प्रतिशत इस मद में खर्च हुआ।
- पंजाब में वेतन पर खर्च सर्वाधिक 33 प्रतिशत राजस्व व्यय हुआ। उत्तरप्रदेश और उत्तरखंड का स्थान दूसरा है जिनमें इस मद में 32 प्रतिशत व्यय हुआ।

तालिकाः सकल वचनबध्द व्यय (2005–2010)

सभी आंकडे करोड रु में	गोवा	मणिपुर	पंजाब	उत्तरप्रदेश	उत्तराखंड
वेतन और भत्ते (A)	3,363	4,849	32,554	1,10,165	12,597
ब्याज भुगतान (B)	2367	1462	22,307	53,758	5,394
पेंशन (C)	1023	1173	12,181	32,977	3,478
आर्थिक सहायता(D)	233	11	11,873	8,094	84
कुल (E=A+B+C+D)	6986	7495	78,915	2,04,994	21,553
राजस्व प्राप्तियां (F)	15,351	16,526	99,641	3,48,873	38,922
राजस्व प्राप्तियों का प्रतिशत (E/F %)	**46%**	**45%**	**79%**	**59%**	**55%**

गोवा

परिचय

गोवा में आबादी का घनत्व अपेक्षाकृत कम है जो अखिल भारतीय औसत 325 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर की तुलना में महज 258 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। यह देश का एक सर्वाधिक साक्षरता दर वाला राज्य भी है और देश के सामान्य वर्ग के अन्य राज्यों के बीच एक उच्चतम संयुक्त वार्षिक विकास दर वाला राज्य है जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का 14.35 प्रतिशत है।

प्रमुख वित्तीय संकेतक

गोवा के वर्ष 2005–2010 के दौरान राज्य बजट के प्रमुख वित्तीय संकेतकों का विवरण तालिका –1 में दिया गया है। उल्लेखनीय बातें निम्नलिखित हैं :–

- राजस्व प्राप्ति में वर्ष 2009–10 में पिछले वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत की बढोतरी मुख्य रूप से कर–राजस्व की वजह से हुई।
- राजस्व व्यय में पिछले वर्ष की तुलना में 802 करोड रु की बढोतरी हुई। यह बढोतरी मुख्य रूप से शिक्षा, खेल, कला और संस्कृति (160 करोड रु.), पेंशन और सेवानिवृत्ति सुविधाएं (129 करोड रु.) तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण (53 करोड रु) के मद में हुई।
- राजस्व घाटा वर्ष 2009–10 के दौरान जीएसडीपी का 5.49 प्रतिशत रहा। वर्ष 2008–09 और 2009–10 में गोवा सरकार को कोई ऋण–मुक्ति नहीं मिली क्योंकि आवश्यक शर्ते पूरा नहीं की जा सकीं । गोवा का वित्तीय घाटा इन वर्षों में निर्घारित सीमा क्रमशः 3.5 प्रतिशत और 4 प्रतिशत से काफी अधिक रहा।

तालिका –1 : गोवा के मुख्य वित्तीय संकेतक

सभी आंकडे करोड रु में	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
राजस्व प्राप्तियां (A)	2169	2610	2944	3528	4100
राजस्व व्यय (B)	2191	2469	2778	3425	4227
राजस्व घाटा (–)/अधिशेष(+)(C=A-B)	-22	141	166	103	-127

पूंजी खाता में प्राप्तियां (D)	704	645	511	673	645
पूंजीगत व्यय (E)	580	626	688	897	1084
वित्तीय घाटा (B+ E+ शुध्द ऋण और अग्रीम के योग – A – विभिन्न मदों में पूंजीगत प्राप्तियों)	-603	-487	-541	-813	-1235

राजस्व प्राप्तियां

राज्य सरकार के राजस्व प्राप्तियों का विवरण तालिका–2 में दिया गया है। गोवा मोटेतौर पर आत्मनिर्भर राज्य है जिसका अधिकांश राजस्व उसके अपने करों और करेतर प्राप्तियों से आता है। गौरतलब है कि केन्द्र सरकार सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं /कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए राज्य की कार्यान्वयन एजेंसियों को अतिरिक्त कोष सीधे प्रदान करती है। भारत सरकार ने वर्ष 2009–10 में गोवा राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों को 380.56 करोड रु का अतिरिक्त कोष प्रदान किया।

तालिका –2 : गोवा की राजस्व प्राप्तियों के विवरण

सभी आंकडे करोड रु में	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
कुल राजस्व प्राप्ति (A)	**2169**	**2610**	**2944**	**3528**	**4100**
राज्य की कर प्राप्तियां (B)	1096	1292	1359	1694	1762
राज्य की करेतर प्राप्तियां (C)	761	918	1043	1236	1731
केन्द्रीय करों में हिस्सा (D)	245	312	394	415	428
भारत सरकार का अनुदान (E)	67	88	148	183	179
केन्द्रीय स्रोतों से प्राप्त कुल रकम (F=D+E)	312	400	542	598	607
केन्द्रीय स्रोतों से राजस्व प्राप्ति का प्रतिशत (G=F/A %)	14%	15%	18%	17%	15%

वचनबद्ध व्यय

राज्य के राजस्व व्यय में वचनबद्ध व्यय के हिस्से को प्रतिशत के रूप में तालिका–3 में दिया गया है। वचनबद्ध व्यय की परिभाषा नियंत्रक सह महालेखा परीक्षक ने ब्याज अदायगी, वेतन व भत्तें और आर्थिक सहायता पर होने वाले खर्च के रूप में की है। उल्लेखनीय बातें निम्नलिखित हैं :–

- वेतन, ब्याज अदायगी और पेंशन मिलकर राज्य के राजस्व व्यय का करीब 49 प्रतिशत होता है।
- वर्ष 2008–09 और 2009–10 के दौरान वेतन पर खर्च बढकर क्रमशः 224 करोड और 268 करोड हो गया। यह बढोतरी मुख्यतः सरकारी कर्मचारियों को छठे वेतन आयोग के बकाया के भुगतान की वजह से हुई जो 2008–09 में 40 प्रतिशत और 2009–10 में 60 प्रतिशत रहा। हालाकि पूरे बकाया का भुगतान किया जा चुका है, भविष्य में कोई देनदारी नहीं है।
- पेंशन भुगतान में वर्ष 2009–10 के दौरान 129.94 करोड बढोतरी हुई जो पिछले वर्ष के मुकाबले 59 प्रतिशत की बढोतरी है। यह बढोतरी मुख्यतः छठे वेतन आयोग की सिफारिशों के कार्यान्वयन की वजह से हुई। बारहवें वित्त आयोग ने इस मद में 199 करोड रु खर्च होने का आकलन किया था जबकि वास्तविक खर्च 350 करोड हुआ।

तालिका –3 : गोवा के वचनबद्ध व्यय

सभी आंकडे करोड रु में	**2005-06**	**2006-07**	**2007-08**	**2008-09**	**2009-10**
वेतन और भत्ते (A)	440	472	579	802	1070
ब्याज भुगतान (B)	400	427	447	510	583
पेंशन (C)	159	150	144	220	350
आर्थिक सहायता(D)	44	40	36	55	58
कुल (E=A+B+C+D)	**1,043**	**1,089**	**1,206**	**1,587**	**2,061**
राजस्व प्राप्तियां (F)	2169	2610	2944	3528	4100
राजस्व प्राप्तियों का प्रतिशत (**E/F %**)	**48%**	**42%**	**41%**	**45%**	**50%**

मणिपुर

परिचय

मणिपुर मुख्यतः ग्रामीण आबादी वाला विशेष दर्जा प्राप्त राज्य है जिसकी 76 प्रतिशत आबादी खेती पर निर्भर है। आबादी का घनत्व अखिल भारतीय औसत की तुलना में काफी कम 103 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। साक्षरता की दर अधिक भारतीय औसत से अधिक है। वर्ष 2009–10 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 13.47 प्रतिशत की मजबूत बढोतरी हुई। वर्ष 2000–09 के दौरान सम्मिलित वार्षिक विकास–दर 11.91 प्रतिशत रहा जो पूर्वोत्तर क्षेत्र के अन्य राज्यों के मुकाबले थोडा अधिक है।

प्रमुख वित्तीय संकेतक

मणिपुर के वर्ष 2005–2010 के दौरान राज्य बजट के मुख्य वित्तीय संकेतकों का विवरण तालिका–1 में दिया गया है। उल्लेखनीय बातें निम्नलिखित हैं :–

- राजस्व प्राप्तियों में पिछले वर्ष के मुकाबले 0.52 करोड (0.01 प्रतिशत) की मामूली बढोतरी हुई। हालांकि कर–राजस्व में 25.97 करोड और केन्द्रीय करों व शुल्कों में राज्य के हिस्से में 16.75 करोड की बढोतरी हुई, पर करेतर राजस्व और भारत सरकार के अनुदान में क्रमशः 13.71 करोड तथा 28.49 करोड की कमी हो गई। नतीजा हुआ कि राजस्व प्राप्तियों में ठहराव की स्थिति आ गई।
- राजस्व व्यय और पूंजीगत व्यय में पिछले वर्ष के मुकाबले 2009–10 में क्रमशः 392.12 करोड (14.95 करोड) और 120.98 करोड (8.25 प्रतिशत) की बढोतरी हुई।
- राज्य का वित्तीय घाटा तीन गुना बढकर वर्ष 2008–09 के 217 करोड से बढकर 2009–10 में 733 करोड हो गया। नतीजा हुआ कि जीएसडीपी की तुलना में वित्तीय घाटा का अनुपात 2008–09 के 2.83 प्रतिशत से बढकर 2009–10 में 8.43 प्रतिशत हो गया। यह बढोतरी मुख्य रूप से बाजार से उधार लेने की वजह से हुई।

तालिका –1 :मणिपुर के मुख्य वित्तीय संकेतक

सभी आंकडे करोड रु में	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
राजस्व प्राप्तियां (A)	2409	2863	3508	3873	3873
राजस्व व्यय (B)	2004	2415	2292	2622	3014

राजस्व घाटा (–)/अधिशेष(+)(C=A-B)	405	448	1216	1251	859
पूंजी खाता में प्राप्तियां	219	267	263	315	523
पूंजीगत व्यय	616	867	1108	1467	1588
वित्तीय घाटा (B+ E+ शुध्द ऋण और अग्रीम के योग – A – विभिन्न मदों में पूंजीगत प्राप्तियों)	-271	-475	+102	-217	-733

! वित्तीय घाटा (एफडी) एक पैमाना है जिससे सरकार का अपनी प्राप्तियों से अधिक व्यय ऋण लेकर करने का पता चलता है। इसकी परिभाषा सीएजी ने राजस्व व्यय, पूंजीगत व्यय, शुध्द ऋण और अग्रीम के योग से राजस्व प्राप्ति और विभिन्न मदों में पूंजीगत प्राप्तियों को घटाकर मिले आंकडे के रूप में की है।

राजस्व प्राप्तियां

राज्य सरकार की राजस्व प्राप्तियों का विवरण तालिका–2 में दिया गया है। मणिपुर मुख्यतः केन्द्रीय कोषों पर निर्भर करता है, उसकी आमदनी का 90 प्रतिशत भारत सरकार का अनुदान या केन्द्रीय करों में हिस्सा है। इसके अतिरिक्त, केन्द्र सरकार ने वर्ष 2009–10 में सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं /कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए राज्य की कार्यान्वयन एजेंसियों को 845.3 करोड का अतिरिक्त कोष सीधे प्रदान किया। इसमें एनआरईजीएस, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मीशन, राष्ट्रीय एडस नियंत्रण इत्यादि शामिल हैं।

तालिका –2 : राजस्व प्राप्तियों का विवरण

सभी आंकडे करोड रु में	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
कुल राजस्व प्राप्ति (A)	**2409**	**2863**	**3508**	**3873**	**3873**
राज्य की कर प्राप्तियां (B)	95	122	147	170	196
राज्य की करेतर प्राप्तियां (C)	76	181	165	254	240
केन्द्रीय करों में हिस्सा (D)	342	436	550	581	597

भारत सरकार का अनुदान (E)	1896	2124	2646	2868	2840
केन्द्रीय स्रोतों से प्राप्त कुल रकम (F=D+E)	2238	2560	3196	3449	3437
केन्द्रीय स्रोतों से राजस्व प्राप्ति का प्रतिशत **(G=F/A)**	**93%**	**89%**	**91%**	**89%**	**89%**

वचनबद्ध व्यय

राज्य के राजस्व व्यय में वचनबद्ध व्यय के हिस्से को प्रतिशत के रूप में तालिका 3 में दिया गया है। वचनबद्ध व्यय की परिभाषा नियंत्रक सह लेखा महापरीक्षक ने ब्याज अदायगी, वेतन व भत्ते, पेंशन और आर्थिक सहायता पर होने वाले खर्च के रूप में की है। उल्लेखनीय बातें निम्नलिखित हैं :–

- वेतन, ब्याज अदायगी और पेंशन को मिलाकर वर्ष 2009–10 में राज्य के राजस्व व्यय का 45 प्रतिशत खर्च हुआ। केवल वेतन पर करीब 30 प्रतिशत खर्च हुआ।
- राज्य में वर्ष 2003–04 से 2008–09 के दौरान वेतन और भत्तों में सम्मिलित वार्षिक बढोतरी दर 10.36 प्रतिशत रहा जो पूर्वोत्तर के राज्यों के बीच काफी अधिक (7.26 प्रतिशत) है।
- केवल पेंशन भुगतान पर वर्ष 2009–10 के दौरान राज्य की राजस्व प्राप्तियों का करीब 8 प्रतिशत खर्च हुआ और वह पिछले वर्ष के 267 करोड से 26 करोड (10.36 प्रतिशत) बढकर 293 करोड हो गया।
- मणिपुर के ब्याज अदायगी में वर्ष 2000–01 से 2008–09 के दौरान सम्मिलित वार्षिक विकास दर 10.11 प्रतिशत है जो पूर्वोत्तर के राज्यों के औसत (7.51 प्रतिशत) से काफी अधिक है। इससे पता चलता है कि राज्य की अर्थ–व्यवस्था पिछली देनदारियों की वजह से अधिक संकटग्रस्त है।

तालिका –3 : मणिपुर के वचनबद्ध व्यय

सभी आंकडे करोड रु में	**2005-06**	**2006-07**	**2007-08**	**2008-09**	**2009-10**
वेतन और भत्ते (A)	872	813	928	1095	1141
ब्याज भुगतान (B)	238	289	298	314	323

पेंशन (C)	168	239	206	267	293
आर्थिक सहायता (D)	3	3	-	2	3
कुल (E=A+B+C+D)	**1281**	**1344**	**1432**	**1678**	**1760**
राजस्व प्राप्तियां (F)	2409	2863	3508	3873	3873
राजस्व प्राप्तियों का प्रतिशत (**E/F %**)	**53%**	**47%**	**41%**	**43%**	**45%**

पंजाब

परिचय

पंजाब एक कृषि–प्रधान राज्य है जहां गरीबी रेखा से नीचे की आबादी सामान्य वर्ग के अन्य राज्यों की तुलना में न्यूनतर है ऐसा नियंत्रक सह महा लेखापरीक्षण का मानना है। वहां साक्षतरता की दर, जन्म के समय जीवित रहने की प्रत्याशा और शिशु मृत्यु–दर भी अखिल भारतीय औसत के मुकाबले बेहतर है।

प्रमुख वित्तीय संकेतक

पंजाब के वर्ष 2005–10 के दौरान राज्य बजट के मुख्य वित्तीय संकेतकों का विवरण तालिका 1 मे दी गई है। उल्लेखनीय बातें निम्नलिखित हैं :–

- राजस्व घाटा में वर्ष 2009–10 के दौरान 11.6 प्रतिशत बढोतरी हुई। यह बढोतरी मुख्य रूप से सामान्य शिक्षा, पेंशन, स्थानीय निकायों व पंचायती राज संस्थानों को आवंटन और सडकों व पुलों के मद में हुई।
- पंजाब वर्ष 2007–08 से राजस्व घाटा का शिकार है क्योंकि उसके राजस्व खर्च से अधिक राजस्व विकास नहीं हुआ।
- पंजाब को इन राज्यों में पांचवां सर्वाधिक वित्तीय घाटा हुआ जो उसके सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 3.6 प्रतिशत है।

तालिका –1 पंजाब के मुख्य वित्तीय संकेतक

सभी आंकडे करोड रु में	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
राजस्व प्राप्तियां (A)	16,966	20,567	19,238	20,713	22,157
राजस्व व्यय (B)	18,207	18,544	23,061	24,569	27,408
राजस्व घाटा (–)/अधिशेष(+)(C=A-B)	-1,240	2,023	-5,256	-3,856	-5,251
पूंजी खाता में प्राप्तियां (D)	4,715	4,670	7,108	6,058	8,360
पूंजीगत व्यय (E)	1,517	2,586	2,192	2,858	2,166

वित्तीय घाटा (B+ E+ शुध्द ऋण और अग्रीम के योग – A – विभिन्न मदों में पूंजीगत प्राप्तियों)	-2,654	-612	-4,604	-6,690	-6,170

राजस्व प्राप्तियां

राज्य सरकार की राजस्व प्राप्तियों का विवरण तालिका 2 में दी गई है। पंजाब मोटेतौर पर आत्मनिर्भर राज्य है जिसके अधिकाश कोष की प्राप्ति राज्य के कर–प्राप्तियों के माध्यम से होती है।

गौरतलब है कि केन्द्र सरकार सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं/कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए राज्य की कार्यान्वयन एजेंसियों को उल्लेखनीय रकम सीधे प्रदान करती है। इन कोषों को राज्य बजट/राज्य कोषागार व्यवस्था के माध्यम से नहीं भेजा जाता। सीएजी ने उल्लेख किया है कि राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों को सीधे रकम देने से उसके उपयोग की देखभाल कमजोर होने का जोखिम है। वर्ष 2009–10 के दौरान केन्द्र सरकार ने राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों को अतिरिक्त 1162 करोड रु सीधे भेजा है।

तालिका–2 : राजस्व प्राप्तियों का विवरण

सभी आंकडे करोड रु में	**2005-06**	**2006-07**	**2007-08**	**2008-09**	**2009-10**
कुल राजस्व प्राप्ति (A)	**16,966**	**20,567**	**19,238**	**20,713**	**22,157**
राज्य की कर प्राप्तियां (B)	8,989	9,017	9,899	11,150	12,039
राज्य की करेतर प्राप्तियां (C)	4,536	7,745	5,235	5,784	5,653
केन्द्रीय करों में हिस्सा (D)	1,228	1,566	1,975	2,084	2,144
भारत सरकार का अनुदान (E)	2,213	2,234	2,109	1,695	2,320
केन्द्रीय स्रोतों से प्राप्त कुल रकम (F=D+E)	3441	3800	4084	3779	4464
केन्द्रीय स्रोतों से राजस्व प्राप्ति का प्रतिशत (G=F/A %)	**20%**	**18%**	**21%**	**18%**	**20%**

वचनबद्ध व्यय

राज्य के वचनबद्ध व्यय को राजस्व व्यय के प्रतिशत के रूप में तालिका 3 में दिया गया है। वचनबद्ध व्यय की परिभाषा नियंत्रक सह लेखा महापरीक्षक ने ब्याज अदायगी, वेतन व भत्ते, पेंशन और आर्थिक सहायता पर हुए खर्चों के रूप में की है। उल्लेखनीय बातें निम्नलिखित हैं :–

- वेतन, ब्याज अदायगी और पेंशन को मिलाकर राज्य राजस्व व्यय का 75 प्रतिशत खर्च हुआ।
- वेतन पर वर्ष 2009–10 में 43 प्रतिशत राजस्व–खर्च हुआ जो बारहवें वित्त आयोग द्वारा निर्धारित 35 प्रतिशत के मानक से अधिक है।
- ब्याज अदायगी पर वर्ष 2009–10 में राजस्व प्राप्तियों का 23 प्रतिशत खर्च हुआ जो बारहवें वित्त आयोग द्वारा निर्धारित 15 प्रतिशत मध्य मीयादी लक्ष्य से अधिक है।

तालिका–3 : पंजाब के वचनबद्ध व्यय

सभी आंकडे करोड रु में	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
वेतन और भत्ते (A)	5,389	5,726	6,379	6,835	8,225
ब्याज भुगतान (B)	3,715	4,152	4,527	4,902	5,011
पेंशन (C)	1,656	1,905	2,433	2,830	3,357
आर्थिक सहायता(D)	1,574	1,553	3,021	2,806	2,919
कुल (E=A+B+C+D)	**12,334**	**13,336**	**16,360**	**17,373**	**19,512**
राजस्व प्राप्तियां (F)	16,966	20,567	19,238	20,713	22,157
राजस्व प्राप्तियों का प्रतिशत (**E/F %**)	**73%**	**65%**	**85%**	**84%**	**88%**

उत्तरप्रदेश

परिचय

उत्तर प्रदेश सघन रूप से बसा राज्य है जो देश के अन्य राज्यों के मुकाबले अनेक विकासपरक समस्याओं, मसलन–गरीबी की ऊंची दर, ऊंची बाल मृत्यु दर, साक्षरता की निम्न दर और निम्नतर जीवनधारिता से ग्रस्त है। राज्य का आर्थिक विकास पिछले दशक में कमतर रहा। उसके सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2000–01 से 2008–09 के बीच सम्मिलित वार्षिक विकास दर 10.8 प्रतिशत रही जबकि सामान्य वर्ग के अन्य राज्यों में यह बढोतरी 13.4 प्रतिशत की दर से हुई।

मुख्य वित्तीय संकेतक

उत्तर प्रदेश के वर्ष 2005–2010 के राज्य बजट के मुख्य वित्तीय संकेतकों का विवरण तालिका 1 में दिया गया है। उल्लेखनीय बातें निम्नलिखित हैं :–

- राजस्व व्यय में वर्ष 2009–10 के दौरान 18 प्रतिशत बढोतरी हुई और जो वित्तीय सूधार के क्रम में सरकार द्वारा कराए गए आंकलन से उल्लेखनीय रूप से अधिक रहा।
- पूंजीगत व्यय में भी वर्ष 2009–10 के दौरान 12 प्रतिशत बढोतरी हुई जो मुख्य रूप से ग्रामीण विकास कार्यक्रमों और अनाज की खरीददारी में पूंजीगत आवंटन की वजह से हुई।

तालिका –1 उत्तर प्रदेश के मुख्य वित्तीय संकेतक

सभी आंकडे करोड रु में	2005–06	2006–07	2007–08	2008–09	2009–10
राजस्व प्राप्तियां (A)	45,349	60,600	68,672	77,831	96,421
राजस्व व्यय (B)	46,617	55,699	65,223	75,969	89,374
राजस्व घाटा (–)/अधिशेष(+)(C=A-B)	–1,268	4,901	3,449	1,862	7,047
पूंजी खाता में प्राप्तियां (D)	14,842	12,067	9,528	17,538	22,782
पूंजीगत व्यय (E)	8,711	13,984	16,950	22,346	25,091
वित्तीय घाटा (B+ E+ शुध्द ऋण और अग्रीम के योग – A – विभिन्न मदों में पूंजीगत प्राप्तियों)	–10,078	–9,615	–13,794	–20,513	–18,693

राजस्व प्राप्तियां

राज्य सरकार की वित्तीय प्राप्तियों का विवरण तालिका 2 में दिया गया है जो बताता है कि राज्य की राजस्व आमदनी में 50 प्रतिशत से अधिक केन्द्रीय करों में हिस्सा या भारत सरकार के अनुदान के रूप में केन्द्रीय स्रोतों से आता है।

यह गौरतलब है कि सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं /कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए केन्द्र सरकार काफी बडी रकम राज्य की कार्यान्वयन एजेंसियों को सीधे आवंटित करती है। इन रकमों को राज्य बजट/राज्य कोषागार प्रणाली के माध्यम से नहीं भेजा जाता। केन्द्र सरकार ने वर्ष 2009–10 में राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों जैसे–एनआरईजीएस को अतिरिक्त 13,710 करोड की रकम सीधे भेजा। सीएजी ने टिप्पणी किया है कि राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों को सीधे आवंटन होने से कोष के उपयोग की देखभाल कमजोर होने का जोखिम है।

तालिका–2 : राजस्व प्राप्तियों का विवरण

सभी आंकडे करोड रु में	2005–06	2006–07	2007–08	2008–09	2009–10
कुल राजस्व प्राप्ति (A)	45,349	60,600	68,672	77,831	96,421
राज्य की कर प्राप्तियां (B)	18,858	22,998	24,959	28,659	33,878
राज्य की करेतर प्राप्तियां (C)	2,930	6,533	5,816	6,767	13,601
केन्द्रीय करों में हिस्सा (D)	18,203	23,218	29,288	30,906	31,797
भारत सरकार का अनुदान (E)	5,358	7,851	8,609	11,499	17,146
केन्द्रीय स्रोतों से प्राप्त कुल रकम (F=D+E)	23,561	31,069	37,897	42,405	48,943
केन्द्रीय स्रोतों से राजस्व प्राप्ति का प्रतिशत (G=F/A %)	**52 प्रतिशत**	**51 प्रतिशत**	**55 प्रतिशत**	**54 प्रतिशत**	**51 प्रतिशत**

वचनबद्ध व्यय

राज्य के राजस्व व्ययों में वचनबद्ध व्यय का प्रतिशत तालिका 3 में दिया गया है। वचनबद्ध व्यय की परिभाषा नियंत्रक सह लेखा–परीक्षक ने ब्याज भुगतान, वेतन व भत्ते, पेंशन और आर्थिक सहायता पर हुए खर्चों के रूप में की है। उल्लेखनीय बातें निम्नलिखित हैं :–

- वेतन, ब्याज और पेंशन के भुगतान को मिलाकर वर्ष 2009–10 में कुल राजस्व व्यय का 59 प्रतिशत खर्च हुआ।
- वेतन के बिल वर्ष 2009–10 में राजस्व व्यय (ब्याज अदायगी और पेंशन मिलाकर) के 50 प्रतिशत रहा जबकि बारहवें वें वित्त आयोग का मानदंड 35 प्रतिशत था।
- पेंशन भुगतान की रकम में 177 प्रतिशत की बढोतरी हुई। यह वर्ष 2005–06 में 3991 करोड से बढकर वर्ष 2009–10 में 11,007 करोड हो गया। पेंशन भुगतान वर्ष 2009–10 में बारहवें वित्त आयोग के पूर्वानुमान से 66 प्रतिशत अधिक हो गया। सरकार ने बढती पेंशन देनदारियों के प्रभाव को घटाने के लिए सहभागी पेंशन योजना आरंभ किया है।
- जिन प्रमुख क्षेत्रों को वर्ष 2009–10 में आर्थिक सहायता दी गई, वे बिजली (38 प्रतिशत), ग्रामीण विकास (28 प्रतिशत), कृषि (20 प्रतिशत) और सिंचाई व बाढ–नियंत्रण (4 प्रतिशत) हैं।

तालिका–3 : उत्तर प्रदेश के वचनबद्ध व्यय

सभी आंकडे करोड रु में	**2005–06**	**2006–07**	**2007–08**	**2008–09**	**2009–10**
वेतन और भत्ते (A)	15,653	17,956	19,352	23,857	33,347
ब्याज अदायगी (B)	9,098	10,477	10,820	11,375	11,988
पेंशन (C)	3,991	4,850	6,136	6,926	11,074
आर्थिक सहायता (D)	..	..	..	3,819	4,275
कुल (E=A+B+C+D)	**28,742**	**33,283**	**36,308**	**45,977**	**60,684**
राजस्व प्राप्तियां (F)	**45,349**	**60600**	**68,672**	**77,831**	**96,421**
राजस्व प्राप्ति का प्रतिशत (E/F %)	**63 प्रतिशत**	**55 प्रतिशत**	**53 प्रतिशत**	**59 प्रतिशत**	**63 प्रतिशत**

उत्तराखंड

परिचय

उत्तराखंड को पहाडी प्रदेश होने से विशेष दर्जा प्राप्त है क्योंकि वहां अधिसंरचनात्मक और कार्य–संपादन खर्चों के साथ–साथ अभिशासन व्यय अधिक है। इस कारण उत्तरखंड को विशेष सुविधाएं मिली हुई हैं जिसके अंतर्गत केन्द्र सरकार की वित्तीय सहायता 90 प्रतिशत अनुदान और 10 प्रतिशत ऋण के अनुपात मिलना शामिल है जबकि अन्य विशेष दर्जा से वंचित राज्यों को केन्द्रीय सहायता 70 प्रतिशत अनुदान और 30 प्रतिशत ऋण के अनुपात में मिलती है।

प्रमुख वित्तीय संकेतक

उत्तराखंड के वर्ष 2005–2010 के राज्य बजट प्रमुख वित्तीय संकेतकों का विवरण तालिका–1 में दिया गया है। उल्लेखनीय बातें निम्नलिखित हैं :–

- राजस्व प्राप्तियों वर्ष 2009–10 के दौरान 13 प्रतिशत की कमी करेतर–राजस्व मद में कम वसूली की वजह से हुई। राज्य सरकार ने अपनी मध्यवर्ती नीति–वक्तव्य में राजस्व वसूली में कमी के लिए आर्थिक मंदी और छठे वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करने से उत्पन्न 2500 करोड के वित्तीय बोझ को जिम्मेवार ठहराया।
- पूंजीगत व्यय वर्ष 2009–10 में शिक्षा, ग्रामीण विकास और सिंचाई क्षेत्र में कम भुगतान होने से 16 प्रतिशत अव्यवहृत पडा रह गया।
- पिछले पांच वर्षों से राजस्व घाटा और वित्तीय घाटा के बारे में बजट अनुमानों को उपलब्ध नहीं किया जा सका। वित्तीय उत्तरदायित्व और बजटीय प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम 2005 द्वारा निर्धारित सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के चार प्रतिशत वित्तीय घाटा का लक्ष्य राज्य ने वर्ष 2009–10 में प्राप्त नहीं कर सका, वह 5.94 प्रतिशत रहा।

तालिका –1 : उत्तराखंड के वित्तीय संकेतक

सभी आंकडे करोड रु. में	2005–06	2006–07	2007–08	2008–09	2009–10
राजस्व प्राप्तियां (A)	5,537	7,373	7,891	8,635	9,486

राजस्व व्यय (B)	5,610	6,476	7,254	8,394	10,567
राजस्व घाटा (–)/अधिशेष (+)(C=A-B)	–73	897	637	241	–1,081
पूंजी लेखा प्राप्ति (D)	1,793	1,248	1,466	1,598	1,747
पूंजीगत व्यय (E)	1,705	1,699	2,235	2,016	1,647
वित्तीय घाटा (B+ E+ शुध्द ऋण और अग्रीम के योग – A – विभिन्न मदों में पूंजीगत प्राप्तियों)	–1,878	–885	–1,744	–1,843	–2,783

राजस्व प्राप्तियां

राज्य सरकार की राजस्व प्राप्तियों का विवरण तालिका 2 में दिया गया है जिससे पता चलता है कि राज्य की राजस्व आमदनी का 50 प्रतिशत से अधिक भारत सरकार के अनुदान या केन्द्रीय करों में हिस्से के रूप में केन्द्रीय स्रोतों से मिलता है ।

गौरतलब है कि केन्द्र सरकार सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं/कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए उल्लेखनीय मात्रा रकम राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों को सीधे भेजती है। इन कोषों को राज्य बजट/राज्य कोषागार प्रणाली के माध्यम से नहीं भेजा जा रहा है। केन्द्र सरकार ने वर्ष 2009–10 के दौरान राज्य कार्यान्यन एजेंसियों को अतिरिक्त 1010 करोड रकम सीधे भेजा।

तालिका 2 : राजस्व प्राप्तियों का विवरण

सभी आंकडे करोड रु. में	2005–06	2006–07	2007–08	2008–09	2009–10
कुल राजस्व आमदनी (A)	5,537	7,373	7,891	8,635	9,486
राज्य की कर प्राप्तियां (B)	1,785	2,514	2,739	3,045	3,559
राज्य की करेतर प्राप्तियां (C)	650	647	668	699	632
केन्द्रीय करों में हिस्सा (D)	1,010	1,132	1,428	1,506	1,550

भारत सरकार से अनुदान (E)	2,092	3,081	3,056	3,384	3,745
केंन्द्रीय स्रोतों से प्राप्त कुल रकम (F=D+E)	3102	4213	4484	4890	5295
केन्द्रीय स्रोतों से राजस्व प्राप्तियों का प्रतिशत (G=F/A %))	56 प्रतिशत	57 प्रतिशत	57 प्रतिशत	57 प्रतिशत	56 प्रतिशत

वचनबद्ध व्यय

राज्य के राजस्व व्ययों में वचनबद्ध व्यय के हिस्से को प्रतिशत के रूप में तालिका 3 में दिया गया है। वचनबद्ध व्यय की परिभाषा नियंत्रक सह लेखा महापरीक्षक ने ब्याज की अदायगी, वेतन व भत्ते, पेशन और आर्थिक सहायता पर होने वाले खर्चो के रूप में किया है। उल्लेखनीय बातें निम्नलिखित हैं :–

- वेतन, पेंशन और ब्याज अदायगी को मिलाकर वर्ष 2009–10 में सरकार के कुल राजस्व खर्च का 72 प्रतिशत खर्च हुआ जिससे समाज–कल्याण की नई योजनाओं पर खर्च करने के लिए काफी कम (2424 करोड रु) रकम बच पाई। यह रकम प्रति व्यक्ति 2500 रु. से भी कम है।[1]
- बारहवें वित्त आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार कुल राजस्व व्यय का 35 प्रतिशत से कम व्यय वेतन पर होना चाहिए जबकि वर्ष 2009–2010 में वेतन पर वास्तविक व्यय 53 प्रतिशत हुआ।
- छठे वेतन आयोग की सिफारिशें के लागू होने से वर्ष 2008–09 से 2009–10 के बीच वेतन पर व्यय 44 प्रतिशत बढ गया।

तालिका 3 : उत्तरखंड के वचनबद्ध व्यय

सभी आंकडे करोड रु. में	2005–06	2006–07	2007–08	2008–09	2009–10
वेतन और भत्ते (A)	1,381	1,551	2,232	3,045	4,388
ब्याज अदायगी (B)	808	964	1,096	1,188	1,338
पेंशन (C)	453	527	623	828	1,047
आर्थिक सहायता (D)	–	–	–	42	42
कुल (E=A+B+C+D)	2,642	3,042	3,951	5,103	6,815

राजस्व प्राप्तियां (F)	5,537	7,373	7,891	8,635	9,486
राजस्व आमदनी का प्रतिशत (**E/F %**)	**48 प्रतिशत**	**41 प्रतिशत**	**50 प्रतिशत**	**59 प्रतिशत**	**72 प्रतिशत**

8. परिशिष्ट

परिभाषाएं

शब्द	परिभाषा
राजस्व प्राप्ति	राजस्व प्रप्ति में राज्य करों से प्राप्ति, राज्य की करेतर प्राप्तियां, केन्द्रीय करों में हिस्सा और भारत सरकार के अनुदान का कुल योग शामिल होता है।
पूंजीगत प्राप्ति	पूंजीगत प्राप्तियों में ऋण और अन्य देनदारियों के साथ ऋणों की वसूली शामिल होती है। पूंजीगत प्राप्तियों से देनदारी उत्पन्न होती है या संपत्तियों में कमी आती है।
राजस्व व्यय	ऐसे व्यय जिनसे दीर्घकालीन संपत्तियों का निर्माण नहीं होता, बल्कि सरकार के रोजमर्रा के कामकाज को चलाने में होते हैं।
पूंजीगत व्यय	परिचालन गत व्ययों के अतिरिक्त कोई व्यय जिसका लाभ एक वर्ष से अधिक समय तक मिलता है। यह संपत्ति के निर्माण पर होने वाला व्यय है।
राजस्व घाटा	राजस्व घाटा से राजस्व प्राप्ति और राजस्व व्यय के बीच के अंतर का पता चलता है।
सकल वित्तीय घाटा	वित्तीय घाटा कुल संचित रकम है जो सरकार की प्राप्तियों से अधिक व्यय का सूचक है। इसकी परिभाषा सीएजी ने राजस्व व्यय, पूंजीगत व्यय, शुध्द ऋण और अग्रीम के योग से राजस्व प्राप्ति और विभिन्न मदों में पूंजीगत प्राप्तियों को घटाने के रूप में की है।
शुद्ध वित्तीय घाटा	सकल वित्तीय घाटा से केन्द्रीय ऋणों को निकाल देने पर प्राप्त रकम ।
योजना व्यय	योजना आयोग से अनुमोदन प्राप्त कार्यक्रमों/परियोजनाओं पर हुए व्यय
गैर–योजना व्यय	योजना से बाहर के सभी सरकारी व्यय, जिसमें मुख्य रूप से ब्याज अदायगी और आर्थिक सहायता पर हुए व्यय शामिल होते हैं।

स्रोत : नियंत्रक सह लेखा महापरीक्षक, राज्य वित्त अंकेक्षण रिपोर्टें